

● ध्यान दें...

## गिफ्ट में कांच की चीजें...



आप में से बहुत से लोगों ने कभी न कभी किसी न किसी को कोई गिफ्ट तो जरूर दिया होगा। वहीं, बहुत से लोग तो ऐसे होंगे जिन्हें गिफ्ट कांच से जुड़ी कोई वस्तु भेंट की होगी। वास्तु शास्त्र में गिफ्ट में क्या देना चाहिए और क्या नहीं देना चाहिए इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके साथ ही, कांच की चीजों को उपहार में देना सही है या गलत इसका वर्णन भी वास्तु शास्त्र में मौजूद है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि क्या किसी को उपहार में कांच की चीजें दे सकते हैं या नहीं।

अक्सर जब भी किसी को गिफ्ट देना होता है लोग ग्लास आइटम्स जैसे कि कांच के बर्तन, क्रिस्टल फूलदान, डिजाइनर मिरर आदि चीजों को चुनते हैं। जहां एक ओर ऐसी वस्तुएं गिफ्ट में देने के लिए बेहतर मानी जाती हैं क्योंकि यह सुंदर दिखने के साथ-साथ यूजफुल भी होती हैं



तो वहीं, वास्तु शास्त्र में कांच की चीजों को उपहार में देने की मनाही है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर किसी को कांच की चीजें गिफ्ट में दी जाए तो कांच की प्रवृत्ति के प्रभाव से परिवार के सदस्यों के बीच रिश्ते बहुत कमजोर होते हैं और हल्की से विवाद पर भी रिश्ते बिखर कर टूट सकते हैं। वास्तु शास्त्र में ऐसा माना जाता है कि ग्लास आइटम्स गिफ्ट करने से उपहार देने वाले और लेने वाले दोनों के यहां क्लेश बढ़ता है।

ग्लास आइटम्स गिफ्ट करने से पारिवारिक अशांति में वृद्धि होती है और अशुभता घर में आनी शुरू हो जाती है। ग्लास आइटम्स गिफ्ट करने का एक प्रभाव यह भी देखने को मिलता है कि व्यक्ति पर नकारात्मक ऊर्जा बहुत जल्दी हावी होने लगती है क्योंकि कांच वो वस्तु है जो नकारात्मक शक्तियों को अपनी तरफ आर्षित करने का काम करती है।

● वास्तु...

## लाफिंग बुद्धा...

लाफिंग बुद्धा को फेंगशुई परंपराओं में खुशी, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। उनका सदैव मुस्कुराता हुआ चेहरा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और उनकी प्रसन्न मुद्रा घर एवं कार्यस्थल में शुभता लाने का संकेत देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसता हुआ क्यों रखना चाहिए? क्यों हैं? उनकी हंसी केवल एक भाव नहीं हैं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक प्रतीकात्मकता रखती है। उनकी मुस्कान संतोष और आंतरिक शांति का प्रतीक है, जो यह दिखाती है कि सच्चा आनंद भौतिक सुखों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि आत्मिक संतुष्टि में निहित होता है। फेंगशुई के अनुसार, उनका हंसमुख चेहरा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता और सौभाग्य को आमंत्रित करता है।

इसके अलावा, मान्यता है कि उनके पेट से सौभाग्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इस तरह लाफिंग बुद्धा न केवल खुशी का प्रतीक माना जाता है, बल्कि हमें जीवन को हल्केपन और प्रसन्नता से जीने की प्रेरणा भी देते हैं। यही नहीं लाफिंग बुद्धा को घर की सही दिशा में रखने से जीवन में सदैव समृद्धि बनी रहती है।

फेंगशुई के अनुसार, लाफिंग बुद्धा का सही स्थान पर रखना सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य को आकर्षित कर सकता है। घर पर लाफिंग बुद्धा रखने के कई फायदे हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा को सही दिशा में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक शांति और पारिवारिक सौहार्द भी बनाए रखता है। लाफिंग बुद्धा की मुस्कुराती हुई मूर्ति घर के माहौल को हल्का और आनंदमय बनाती है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मान्यता है कि लाफिंग बुद्धा का स्थान जितना उपयुक्त होगा, उतना ही अधिक प्रभावशाली होगा। उदाहरण के लिए, इसे घर के मुख्य दरवाजे के पास रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होता है। वहीं, इसे ड्राइंग रूम या कार्यस्थल में रखने से सफलता और उन्नति के मार्ग खुलते हैं।

घर या कार्यालय के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में लाफिंग बुद्धा की मूर्ति रखने से आपको आर्थिक सफलता मिल सकती है। यदि आप घर के लिविंग रूम में लाफिंग बुद्धा रखते हैं तो आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कार्यस्थल या ऑफिस डेस्क पर इसे रखने से करियर में उन्नति होती है और बाधाएं दूर होती हैं।

घर या ऑफिस के प्रवेश द्वार के पास लाफिंग बुद्धा रखने से नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है।

यदि आप घर पर लाफिंग बुद्धा थैला लिए हुए रखते हैं तो वो यात्रा, धन संग्रह और चिंताओं को दूर करने का प्रतीक माने जाते हैं। कटोरा लिए हुए लाफिंग बुद्धा हमेशा भौतिकवाद से मुक्ति और आध्यात्मिक मार्ग का संकेत होते हैं। सोने के सिक्कों के साथ लाफिंग बुद्धा आर्थिक समृद्धि और धन प्राप्ति का प्रतीक माने जाते हैं।

● पवित्र...

## रसोई



हिंदू धर्म में रसोई एक पवित्र जगह मानी जाती है, ऐसे में कभी भी जूते-चप्पल पहनकर रसोई घर में प्रवेश न करें। इसी के साथ कोशिश करें कि आप नहाने के बाद ही रसोई में प्रवेश करें। अगर आप इस सभी बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे मां अन्नपूर्णा के साथ-साथ आपको लक्ष्मी जी का भी आशीर्वाद मिलता है। रात में कभी भी खाना खाने के बाद जूते बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। यह मां लक्ष्मी की नाराजगी का कारण बन सकता है। जिससे जातक को धन संबंधी समस्याएं भी झेलनी पड़ सकती है। इसी के साथ अगर आपके घर में या रसोई में कोई नल टपक रहा हो, तो उसे तुरंत ठीक कराएं, क्योंकि यह दुर्भाग्य लेकर आता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि व्यक्ति को कभी भी किचन में बैठकर खाना नहीं किचन के ठीक सामने बाथरूम न बनवाएं। ऐसा करने से व्यक्ति को वास्तु दोष का सामना करना पड़ता है, जो आगे चलकर मुसीबत का सबब बन जाता है।

प्रार्थना और ध्यान के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आध्यात्मिक रुद्र माला में आमतौर पर 108 मनके होते हैं। ये विभिन्न स्वरूपों में पाए जा सकते हैं, अर्थात् एक मुखी से लेकर 27 मुखी तक।

माना जाता है जो कोई भी इन मोतियों को पहनता है, उसके पास तीनों दिव्य देवताओं यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद होता है। ऐसा माना जाता है कि शिव हजारों वर्षों तक आंखें बंद करके ध्यान में बैठे रहे। अपनी आंखें खोलने पर, उन्होंने परमानंद के आंसू बहाए जो पृथ्वी पर गिरे और पवित्र रुद्राक्ष बन गए। ये मोती दुनिया को शिव की देन हैं।

● राशिनुसार धारण करें रुद्राक्ष-ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि हर राशि के अपने गुण और स्वभाव होते हैं। राशियों के गुण और स्वभाव को ध्यान में रखते हुए ही अलग-अलग राशि के लोगों को अलग-अलग रुद्राक्ष धारण करने के लिए कहा जाता है। आप अगर अपनी राशि के अनुसार उपर्युक्त रुद्राक्ष धारण कर लेते हैं, तो आपको जीवन में हर काम में सफलता मिल सकती है। रुद्राक्ष धारण करने से आपका जीवन बदल सकता है।

● मेष राशि के जातक हमेशा एक मुखी, तीन मुखी या फिर पांच मुखी रुद्राक्ष धारण करें। ऐसा करने से मेष राशि के जातक हर काम में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और उनके सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

● वृष राशि के जातकों को चार मुखी, छह मुखी या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष विधिपूर्वक पूजन के बाद धारण करना चाहिए। इससे वृष राशि के जातकों की सुख-समृद्धि बढ़ सकती है।

● मिथुन राशि के जातक चार मुखी, पांच मुखी और

## राशि के हिसाब से धारण करें रुद्राक्ष

चीन काल से रुद्राक्ष को अपनी दिव्य चिकित्सा शक्तियों के कारण सबसे कीमती मोतियों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि जिन पर भगवान शिव की कृपा होती है उन्हें ही इसे धारण करने का अवसर प्राप्त होता है। 'रुद्राक्ष' शब्द का अर्थ रुद्र (शिव) की आंखें और उनके आंसू (अक्ष) हैं। इस आध्यात्मिक मोतियों की उत्पत्ति की कहानी बताती है कि क्यों इसे स्वयं शिव का आशीर्वाद माना जाता है। रुद्राक्ष प्राकृतिक रूप से एक सूखा नट है जो रुद्राक्ष के पेड़ पर उगता है। प्रार्थना और ध्यान के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आध्यात्मिक रुद्र माला में आमतौर पर 108 मनके होते हैं। ये विभिन्न स्वरूपों में पाए जा सकते हैं, अर्थात् एक मुखी से लेकर 27 मुखी तक। माना जाता है जो कोई भी इन मोतियों को पहनता है, उसके पास तीनों दिव्य देवताओं यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद होता है। ऐसा माना जाता है कि शिव हजारों वर्षों तक आंखें बंद करके ध्यान में बैठे रहे। अपनी आंखें खोलने पर, उन्होंने परमानंद के आंसू बहाए जो पृथ्वी पर गिरे और पवित्र रुद्राक्ष बन गए। ये मोती दुनिया को शिव की देन हैं।

● राशिनुसार धारण करें रुद्राक्ष-ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि हर राशि के अपने गुण और स्वभाव होते हैं। राशियों के गुण और स्वभाव को ध्यान में रखते हुए ही अलग-अलग राशि के लोगों को अलग-अलग रुद्राक्ष धारण करने के लिए कहा जाता है। आप अगर अपनी राशि के अनुसार उपर्युक्त रुद्राक्ष धारण कर लेते हैं, तो आपको जीवन में हर काम में सफलता मिल सकती है। रुद्राक्ष धारण करने से आपका जीवन बदल सकता है।

● मेष राशि के जातक हमेशा एक मुखी, तीन मुखी या फिर पांच मुखी रुद्राक्ष धारण करें। ऐसा करने से मेष राशि के जातक हर काम में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और उनके सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

● वृष राशि के जातकों को चार मुखी, छह मुखी या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष विधिपूर्वक पूजन के बाद धारण करना चाहिए। इससे वृष राशि के जातकों की सुख-समृद्धि बढ़ सकती है।

● मिथुन राशि के जातक चार मुखी, पांच मुखी और

तेरह मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इससे मिथुन राशि के जातकों का सोया हुआ सौभाग्य जाग सकता है।

● कर्क राशि के जातक तीन मुखी, पांच मुखी या फिर गौरी-शंकर रुद्राक्ष को धारण करें। इससे कर्क राशि के जातकों के भाग्य में वृद्धि हो सकती है और हर काम में सफलता मिल सकती है।

● सिंह राशि के जातक 12 मुखी रुद्राक्ष धारण करें। सिंह राशि के जातकों के लिए 12 मुखी रुद्राक्ष धारण करना बड़ा ही लाभकारी माना गया है। इससे सिंह राशि के जातकों को धन और वैभव प्राप्त हो सकता है।

● कन्या राशि के जातक चार मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इससे कन्या राशि के जातकों को शिक्षा में सफलता प्राप्त हो सकती है। मानसिक विकार दूर हो सकते हैं।

● तुला राशि के जातक 6 मुखी या फिर या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इससे तुला राशि के जातकों को बुद्धि और ज्ञान बढ़ सकता है। साथ ही भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

● वृश्चिक राशि के जातकों के लिए तीन मुखी रुद्राक्ष धारण करना बहुत शुभ माना गया है। तीन मुखी रुद्राक्ष धारण करने से वृश्चिक राशि के जातकों के शारीरिक दुख दूर हो सकते हैं। सोई किस्मत जाग सकती है।

● धनु राशि के जातक 5 मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इसको धारण करने से मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। 5 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से भाग्य का साथ मिलने लगता है।

● मकर राशि के जातक हमेशा सात मुखी रुद्राक्ष धारण करें। इसे धारण करने से मकर राशि के जातकों की धन से संबंधी परेशानियां दूर हो सकती हैं।

● कुंभ राशि के जातक चार मुखी, छह मुखी या फिर 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करें। ये कुंभ राशि के जातकों की किस्मत चमका सकता है।

● मीन राशि के जातक हमेशा तीन मुखी, पांच मुखी या फिर गौरी-शंकर रुद्राक्ष धारण करें। ये रुद्राक्ष मीन राशि के जातकों को हर कार्य में सफलता दिला सकता है।

■ पं. नित्यानंद

● भगवान गणेश...

सनातन धर्म में बुधवार के दिन महादेव के पुत्र भगवान गणेश की पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि गणपति बप्पा की उपासना करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही व्रत को करने से गणेश जी की कृपा प्राप्त होती है। यदि आप भी करियर और कारोबार में सफलता पाना चाहते हैं, तो बुधवार को गणेश जी 108 नामों का जप करें। इसके जप से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

